उत्तराखंड की मुख्यमंत्री सौर स्वरोज़गार योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने **सतत् ऊर्जा** और **ग्रामीण रोज़गार** के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **सौर** स्वरोज़गार पहल शुरू की है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - सौर ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा देकर **पलायन** को रोकने के लिये बनाया गया है ।
- **कार्यक्रम विवरण:**
  - व्यक्ति सौर संयंत्र **(20-200 किलोवाट) स्थापित कर सकते हैं** और उत्पादित विद्युत **उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (UPCL)** को बेच सकते हैं।
  - वित्तीय सहायता में बैंक ऋण तथा **MSME** एवं स्वरोज़गार योजनाओं के अंतर्गत सहायता शामिल है।
- **आर्थिक प्रभाव:**
  - स्थानीय उद्यमियों के लिये आय के अवसरों को प्रोत्साहित करना, सतत् प्रथाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाना।

भारत के सौर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति

- **परिचय:**
  - भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा खपत वाला देश है। सौर ऊर्जा क्षमता में भारत पाँचवें स्थान पर है (REN21 नवीकरणीय ऊर्जा 2024 वैश्विक स्थिति रिपोर्ट)।
  - COP26 में, भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा प्राप्त करने का संकल्प लिया, जो कि विश्व की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार योजना पंचामृत पहल का हिस्सा है।
- **सौर ऊर्जा विकास:**
  - पिछले 9 वर्षों में स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 30 गुना बढ़ गई है, जो अगस्त 2024 में 89.4 गीगावाट तक पहुँच जाएगी।
  - भारत की सौर क्षमता 748 GWp (राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, NISE) होने का अनुमान है।
- **निवेश और FDI:**
  - **विद्युत अधिनियम, 2003** के अंतर्गत, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और वितरण परियोजनाओं के लिये स्वचालित मार्ग के माध्यम से 100% **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)** की स्वीकृति प्रदान की गई है।

h

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-s-cm-solar-self-employment-scheme